जापानी वाद्यों पर छेड़ा भारतीय संगीत

भोपाल। रविवार की शाम भारतीय शास्त्रीय संगीत के उस पहलू के नाम रही, जिसमें संगीत की एक वैश्विक परिभाषा स्थापित होती है। कलाओं की कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। कम से कम अमरीकन संगीतकार टी.एम. हॉफमेन के भारतीय संगीत के प्रति रुझान को देखते हुए तो यही महसूस हुआ। रविवार को भारत भवन में आयोजित संगीत सभा में हॉफमेन ने अपनी बहु आयामी संगीत प्रस्तुतियां दी।

इस मौके पर उन्होंने भारतीय शास्त्रीय शैली में गायन और वादन करके कला रसिकों का मन मोह लिया। हॉफमेन ने अपने कार्यक्रम की शुरुआत श्रीराम चंद्र कृपालु भजमन जैसे भजन से की। उसके बाद उन्होंने क्रमशः ठुमरी मिश्र खमाज में घर-घर धरनियां सैंया भये जोगिया व दादरा में रिमझिम बरसत बदरिया गाया। लंबे अर्से से भारतीय व जापानी संगीत का अध्ययन करने वाले हॉफमेन ने अपनी इस प्रस्तुति में जापानी तंत्रिवाद्य कोटो का प्रयोग किया।

हॉफमेन ने जापानी बांसुरी शाकुहाची पर राग हंसध्वनि प्रस्तुत की। अंत में तंत्रिवाद्य कोटो पर राग भैरवी प्रस्तुत की। उनके साथ सारंगी पर संगत सरवर हुसैन ने तथा तबले पर नफीस अहमद ने की। इस मौके पर बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी मौजूद थे।

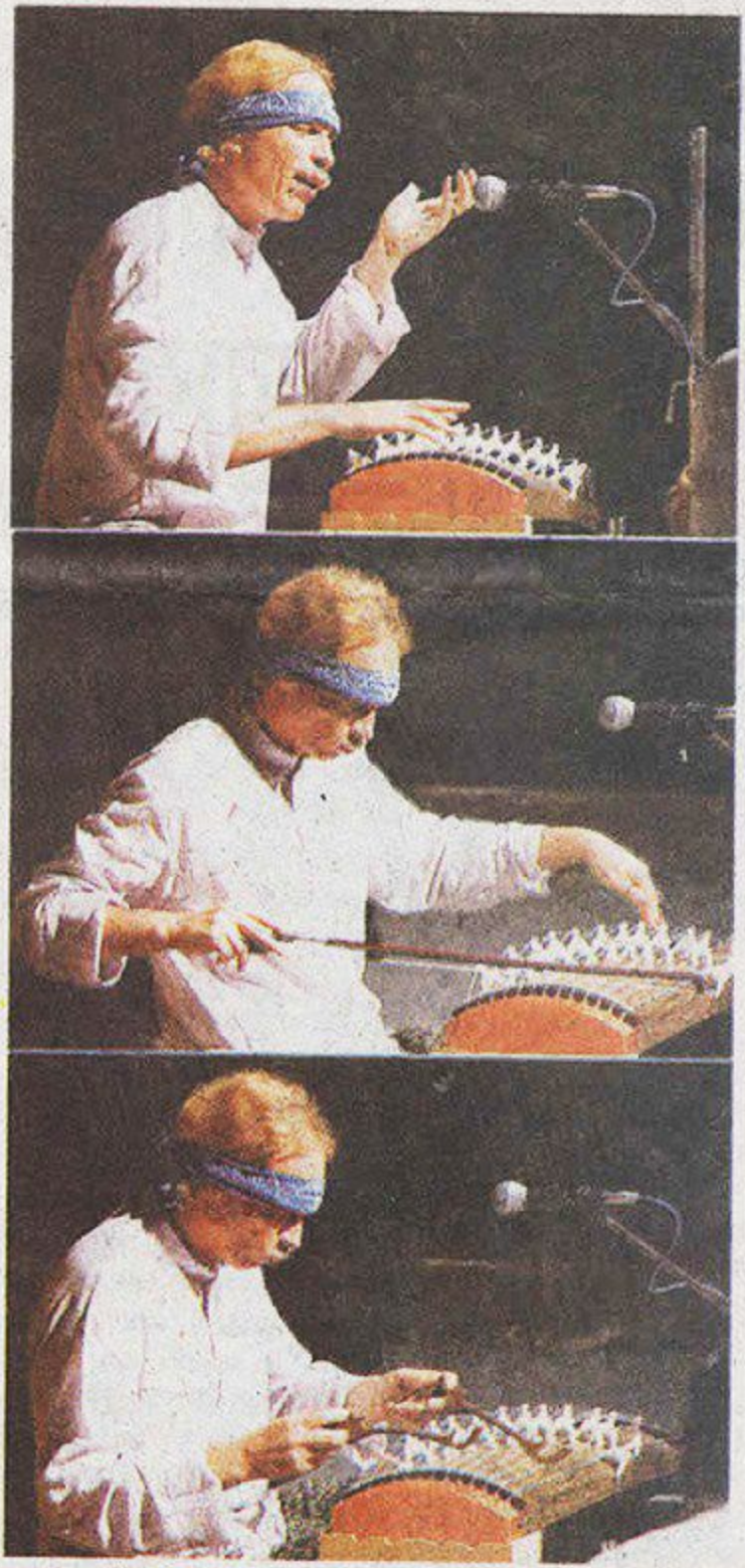

भारत भवन में प्रस्तुति देते अमरीकन संगीतकार टी.एम. हॉफमेन। -पत्रिका